ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Amit

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

Amit

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 01/01/2000**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	**: 09:56:00 घंटे**
इष्ट	: 06:50:24 घटी
स्थान	**: Mumbai**
राज्य	: Maharashtra
देश	: India

अक्षांश	: 18:58:00 उत्तर
रेखांश	: 72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:17:20 घंटे
वेलान्तर	: -00:03:12 घंटे
साम्पातिक काल	: 15:57:56 घंटे
सूर्योदय	: 07:11:50 घंटे
सूर्यास्त	: 18:12:07 घंटे
दिनमान	: 11:00:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 16:11:40 धनु
लग्न के अंश	: 28:18:11 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	: मकर – शनि
राशि–स्वामी	**: तुला – शुक्र**
नक्षत्र–चरण	**: स्वाति – 3**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: सुकर्मा
करण	: विष्टि
गण	: देव
योनि	: महिष
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: रो–रोहित
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

पंचांग

दादा का नाम ______ :
पिता का नाम ______ :
माता का नाम ______ :
जाति ______ :
गोत्र ______ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1921	पौष	11
पंजाबी	संवत : 2056	पौष	17
बंगाली	सन् : 1406	पौष	16
तमिल	संवत : 2056	मार्गड़ी	17
केरल	कोल्लम : 1175	धनु	17
नेपाली	संवत : 2056	पौष	17
चैत्रादि	संवत : 2056	पौष	कृष्ण 10
कार्तिकादि	संवत : 2056	मार्गशीर्ष	कृष्ण 10

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि	10
तिथि समाप्ति काल	11:03:58
जन्म तिथि	10
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	स्वाति
नक्षत्र समाप्ति काल	18:33:26 घंटे
जन्म योग	स्वाति
सूर्योदय कालीन योग	सुकर्मा
योग समाप्ति काल	12:37:23 घंटे
जन्म योग	सुकर्मा
सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
करण समाप्ति काल	11:03:58 घंटे
जन्म करण	विष्टि
भयात	44:30:56
भभोग	66:04:29
भोग्य दशा काल	राहु 5 वर्ष 10 मा 3 दि

घात चक्र

मास	माघ
तिथि	4-9-14
दिन	गुरुवार
नक्षत्र	शतभिषा
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
प्रहर	4
वर्ग	सिंह
लग्न	कन्या
सूर्य	कन्या
चन्द्र	धनु
मंगल	तुला
बुध	कर्क
गुरु	वृश्चिक
शुक्र	धनु
शनि	सिंह
राहु	मकर

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

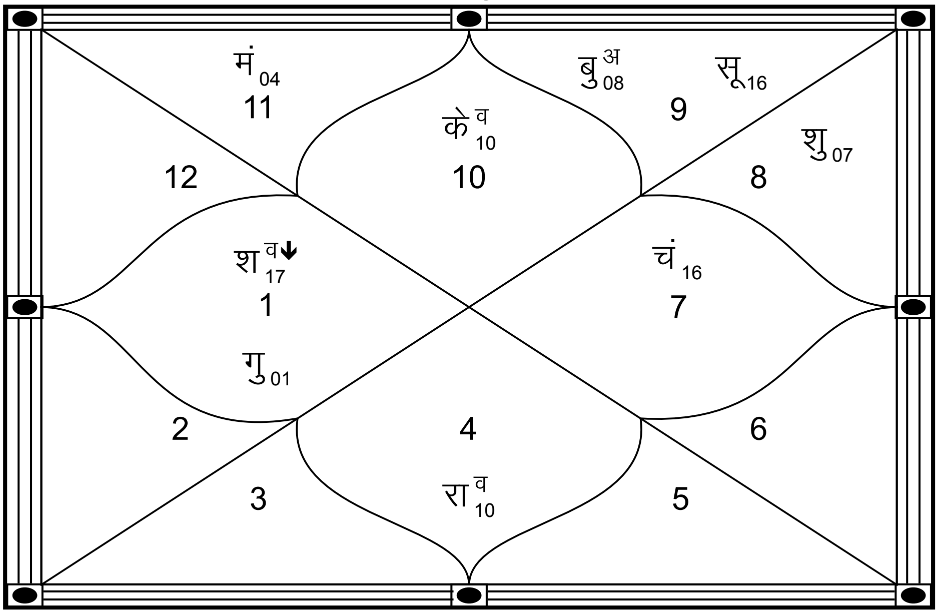

चन्द्र कुंडली

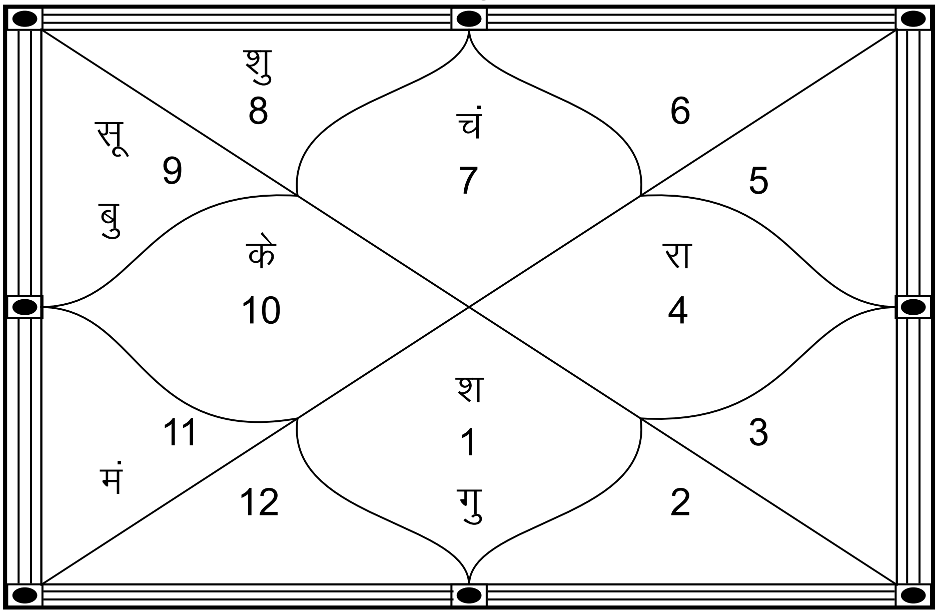

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

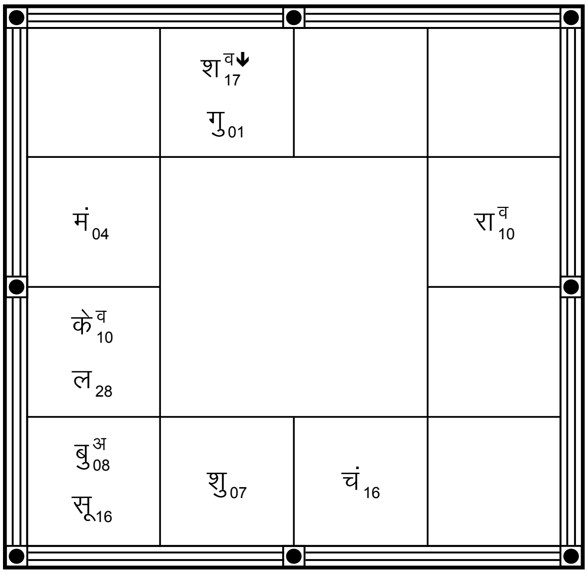

लग्न कुंडली

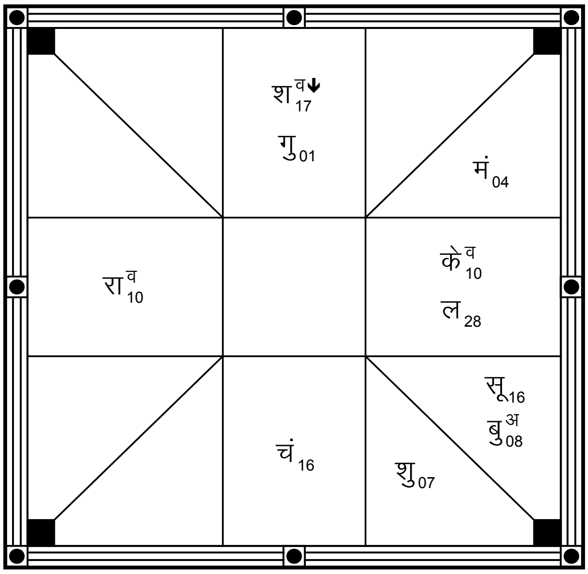

विंशोत्तरी

राहु 5वर्ष 10मा 3दि

राहु

01/01/2000

05/11/2107

राहु	04/11/2005
गुरु	04/11/2021
शनि	03/11/2040
बुध	04/11/2057
केतु	03/11/2064
शुक्र	03/11/2084
सूर्य	04/11/2090
चन्द्र	04/11/2100
मंगल	05/11/2107

योगिनी

पिंगला 0वर्ष 7मा 24दि

सिद्धा

25/08/2018

25/08/2025

सिद्धा	05/01/2020
संकटा	26/07/2021
मंगला	05/10/2021
पिंगला	24/02/2022
धान्या	25/09/2022
भ्रामरी	06/07/2023
भद्रिका	25/06/2024
उल्का	25/08/2025

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	28:18:11	421:43:38	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	———
सूर्य			धनु	16:11:40	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			तुला	15:40:23	12:04:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	03:51:56	00:46:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	धनु	07:32:45	01:33:17	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मेष	01:23:14	00:02:23	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	07:19:53	01:12:31	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि	व		मेष	16:32:56	00:01:14	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	10:06:59	00:03:04	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	10:06:59	00:03:04	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:56:25	00:03:01	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	———
नेप			मक	09:19:43	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	———
प्लूटो			वृश्चि	17:35:26	00:02:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	———
दशम भाव			वृश्चि	07:44:28	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	केतु	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:11

लग्न–चलित

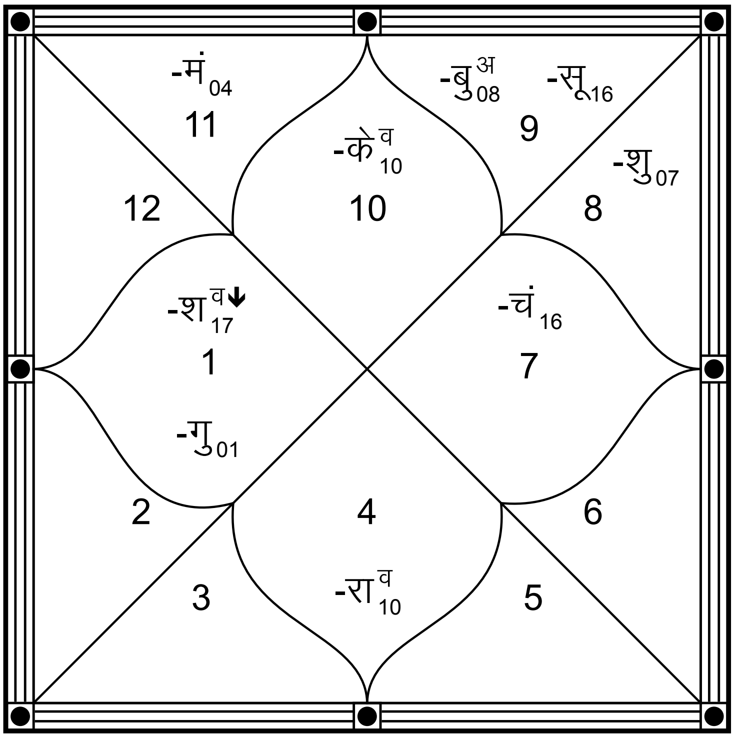

चन्द्र कुंडली

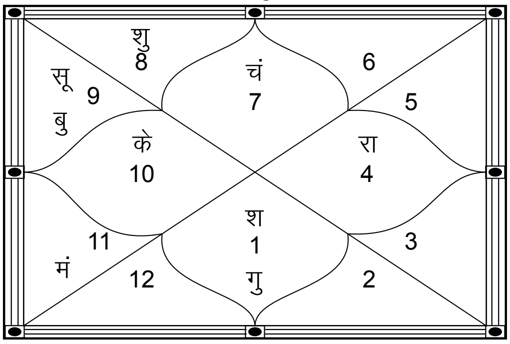

नवमांश कुंडली

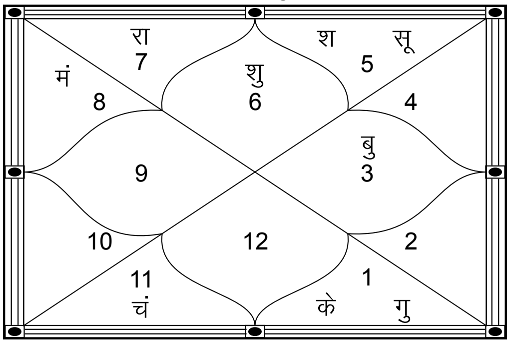

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	मकर	14:52:34	मकर	28:18:11
2	कुम्भ	14:52:34	मीन	01:26:56
3	मीन	18:01:19	मेष	04:35:42
4	मेष	21:10:05	वृष	07:44:28
5	वृष	21:10:05	मिथुन	04:35:42
6	मिथुन	18:01:19	कर्क	01:26:56
7	कर्क	14:52:34	कर्क	28:18:11
8	सिंह	14:52:34	कन्या	01:26:56
9	कन्या	18:01:19	तुला	04:35:42
10	तुला	21:10:05	वृश्चिक	07:44:28
11	वृश्चिक	21:10:05	धनु	04:35:42
12	धनु	18:01:19	मकर	01:26:56

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मकर	28:18:11
2	मीन	05:31:08
3	मेष	09:18:46
4	वृष	07:44:28
5	मिथुन	03:03:18
6	मिथुन	28:37:37
7	कर्क	28:18:11
8	कन्या	05:31:08
9	तुला	09:18:46
10	वृश्चिक	07:44:28
11	धनु	03:03:18
12	धनु	28:37:37

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

चलित कुंडली

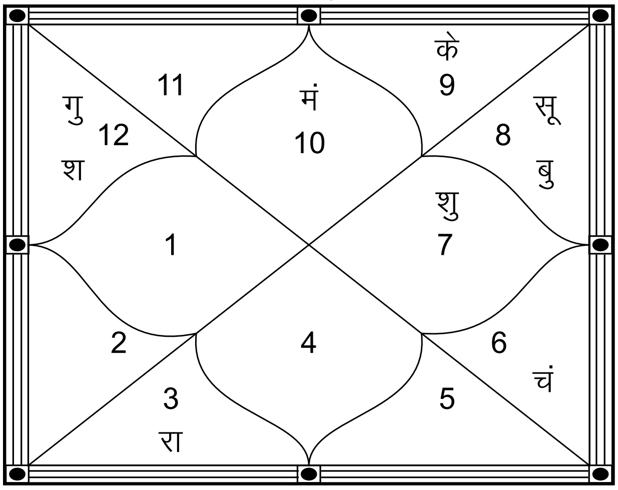

भाव कुंडली

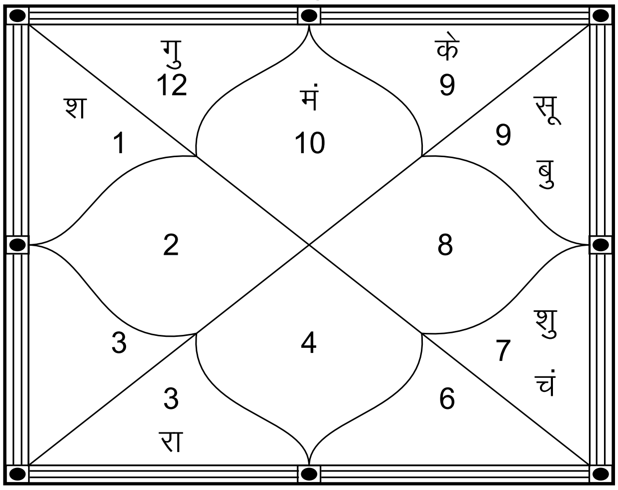

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	——— कारक ———		———— अवस्था ————				
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	अमात्य	पितृ	युवा	मुदित	कौतुक	3.68	28 %
चंद्र	भ्रातृ	मातृ	युवा	निपीदित	शयन	1.04	28 %
मंगल	ज्ञाति	भ्रातृ	बाल	शान्त	शयन	5.80	61 %
बुध	मातृ	ज्ञाति	कुमार	विकल	सभा	0.00	67 %
गुरु	कलत्र	धन	बाल	मुदित	निद्रा	4.48	49 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	वृद्ध	निपीदित	शयन	2.15	12 %
शनि	आत्मा	आयु	युवा	भीत	गमन	0.10	20 %
राहु	———	ज्ञान	वृद्ध	खल	कौतुक	0.00	35 %
केतु	———	मोक्ष	वृद्ध	खल	सभा	0.00	0 %
कुल						**17.25**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

चलित कुंडली

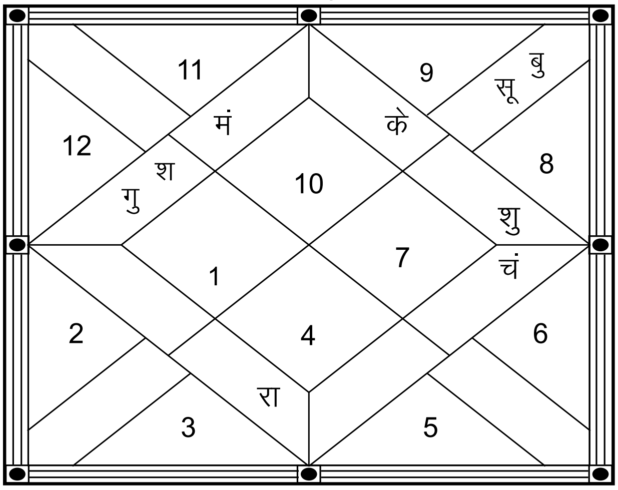

लग्न–चलित

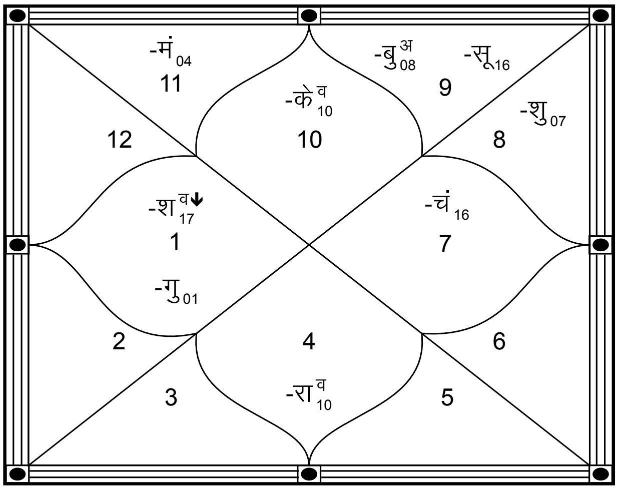

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 10 मास 3 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/01/2000		04/11/2005		04/11/2021		03/11/2040		04/11/2057	
04/11/2005		04/11/2021		03/11/2040		04/11/2057		03/11/2064	
	00/00/0000	गुरु	23/12/2007	शनि	06/11/2024	बुध	02/04/2043	केतु	02/04/2058
	00/00/0000	शनि	05/07/2010	बुध	17/07/2027	केतु	29/03/2044	शुक्र	02/06/2059
	00/00/0000	बुध	10/10/2012	केतु	25/08/2028	शुक्र	28/01/2047	सूर्य	08/10/2059
	00/00/0000	केतु	16/09/2013	शुक्र	26/10/2031	सूर्य	04/12/2047	चंद्र	08/05/2060
	01/01/2000	शुक्र	17/05/2016	सूर्य	07/10/2032	चंद्र	05/05/2049	मंगल	04/10/2060
शुक्र	23/05/2002	सूर्य	05/03/2017	चंद्र	08/05/2034	मंगल	02/05/2050	राहु	22/10/2061
सूर्य	17/04/2003	चंद्र	05/07/2018	मंगल	17/06/2035	राहु	19/11/2052	गुरु	28/09/2062
चंद्र	16/10/2004	मंगल	11/06/2019	राहु	23/04/2038	गुरु	24/02/2055	शनि	07/11/2063
मंगल	04/11/2005	राहु	04/11/2021	गुरु	03/11/2040	शनि	04/11/2057	बुध	03/11/2064

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/11/2064		03/11/2084		04/11/2090		04/11/2100		05/11/2107	
03/11/2084		04/11/2090		04/11/2100		05/11/2107		00/00/0000	
शुक्र	05/03/2068	सूर्य	21/02/2085	चंद्र	04/09/2091	मंगल	02/04/2101	राहु	18/07/2110
सूर्य	05/03/2069	चंद्र	22/08/2085	मंगल	04/04/2092	राहु	21/04/2102	गुरु	11/12/2112
चंद्र	04/11/2070	मंगल	28/12/2085	राहु	04/10/2093	गुरु	28/03/2103	शनि	18/10/2115
मंगल	04/01/2072	राहु	22/11/2086	गुरु	03/02/2095	शनि	06/05/2104	बुध	06/05/2118
राहु	04/01/2075	गुरु	10/09/2087	शनि	03/09/2096	बुध	03/05/2105	केतु	25/05/2119
गुरु	04/09/2077	शनि	22/08/2088	बुध	03/02/2098	केतु	29/09/2105	शुक्र	02/01/2120
शनि	03/11/2080	बुध	29/06/2089	केतु	04/09/2098	शुक्र	29/11/2106		00/00/0000
बुध	04/09/2083	केतु	04/11/2089	शुक्र	06/05/2100	सूर्य	06/04/2107		00/00/0000
केतु	03/11/2084	शुक्र	04/11/2090	सूर्य	04/11/2100	चंद्र	05/11/2107		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
04/11/2021		06/11/2024		17/07/2027		25/08/2028		26/10/2031	
06/11/2024		17/07/2027		25/08/2028		26/10/2031		07/10/2032	
शनि	27/04/2022	बुध	26/03/2025	केतु	10/08/2027	शुक्र	06/03/2029	सूर्य	12/11/2031
बुध	29/09/2022	केतु	22/05/2025	शुक्र	17/10/2027	सूर्य	03/05/2029	चंद्र	11/12/2031
केतु	02/12/2022	शुक्र	02/11/2025	सूर्य	06/11/2027	चंद्र	07/08/2029	मंगल	31/12/2031
शुक्र	03/06/2023	सूर्य	21/12/2025	चंद्र	10/12/2027	मंगल	14/10/2029	राहु	21/02/2032
सूर्य	28/07/2023	चंद्र	13/03/2026	मंगल	02/01/2028	राहु	05/04/2030	गुरु	08/04/2032
चंद्र	28/10/2023	मंगल	09/05/2026	राहु	03/03/2028	गुरु	06/09/2030	शनि	02/06/2032
मंगल	31/12/2023	राहु	04/10/2026	गुरु	26/04/2028	शनि	09/03/2031	बुध	21/07/2032
राहु	13/06/2024	गुरु	12/02/2027	शनि	29/06/2028	बुध	19/08/2031	केतु	10/08/2032
गुरु	06/11/2024	शनि	17/07/2027	बुध	25/08/2028	केतु	26/10/2031	शुक्र	07/10/2032

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
07/10/2032		08/05/2034		17/06/2035		23/04/2038		03/11/2040	
08/05/2034		17/06/2035		23/04/2038		03/11/2040		02/04/2043	
चंद्र	24/11/2032	मंगल	01/06/2034	राहु	20/11/2035	गुरु	24/08/2038	बुध	08/03/2041
मंगल	28/12/2032	राहु	01/08/2034	गुरु	07/04/2036	शनि	18/01/2039	केतु	28/04/2041
राहु	25/03/2033	गुरु	24/09/2034	शनि	19/09/2036	बुध	29/05/2039	शुक्र	22/09/2041
गुरु	10/06/2033	शनि	27/11/2034	बुध	13/02/2037	केतु	22/07/2039	सूर्य	05/11/2041
शनि	09/09/2033	बुध	23/01/2035	केतु	15/04/2037	शुक्र	23/12/2039	चंद्र	17/01/2042
बुध	30/11/2033	केतु	16/02/2035	शुक्र	05/10/2037	सूर्य	07/02/2040	मंगल	09/03/2042
केतु	03/01/2034	शुक्र	24/04/2035	सूर्य	27/11/2037	चंद्र	25/04/2040	राहु	19/07/2042
शुक्र	09/04/2034	सूर्य	14/05/2035	चंद्र	21/02/2038	मंगल	17/06/2040	गुरु	14/11/2042
सूर्य	08/05/2034	चंद्र	17/06/2035	मंगल	23/04/2038	राहु	03/11/2040	शनि	02/04/2043

बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल	
02/04/2043		29/03/2044		28/01/2047		04/12/2047		05/05/2049	
29/03/2044		28/01/2047		04/12/2047		05/05/2049		02/05/2050	
केतु	23/04/2043	शुक्र	18/09/2044	सूर्य	13/02/2047	चंद्र	17/01/2048	मंगल	26/05/2049
शुक्र	22/06/2043	सूर्य	08/11/2044	चंद्र	10/03/2047	मंगल	16/02/2048	राहु	19/07/2049
सूर्य	11/07/2043	चंद्र	03/02/2045	मंगल	29/03/2047	राहु	03/05/2048	गुरु	06/09/2049
चंद्र	10/08/2043	मंगल	04/04/2045	राहु	14/05/2047	गुरु	11/07/2048	शनि	02/11/2049
मंगल	31/08/2043	राहु	06/09/2045	गुरु	24/06/2047	शनि	01/10/2048	बुध	23/12/2049
राहु	24/10/2043	गुरु	22/01/2046	शनि	13/08/2047	बुध	14/12/2048	केतु	13/01/2050
गुरु	11/12/2043	शनि	05/07/2046	बुध	26/09/2047	केतु	13/01/2049	शुक्र	15/03/2050
शनि	07/02/2044	बुध	29/11/2046	केतु	14/10/2047	शुक्र	09/04/2049	सूर्य	02/04/2050
बुध	29/03/2044	केतु	28/01/2047	शुक्र	04/12/2047	सूर्य	05/05/2049	चंद्र	02/05/2050

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु	
02/05/2050	
19/11/2052	
राहु	19/09/2050
गुरु	21/01/2051
शनि	17/06/2051
बुध	27/10/2051
केतु	21/12/2051
शुक्र	24/05/2052
सूर्य	10/07/2052
चंद्र	25/09/2052
मंगल	19/11/2052

बुध - गुरु	
19/11/2052	
24/02/2055	
गुरु	09/03/2053
शनि	18/07/2053
बुध	12/11/2053
केतु	31/12/2053
शुक्र	18/05/2054
सूर्य	28/06/2054
चंद्र	05/09/2054
मंगल	23/10/2054
राहु	24/02/2055

बुध - शनि	
24/02/2055	
04/11/2057	
शनि	30/07/2055
बुध	16/12/2055
केतु	12/02/2056
शुक्र	25/07/2056
सूर्य	12/09/2056
चंद्र	03/12/2056
मंगल	29/01/2057
राहु	25/06/2057
गुरु	04/11/2057

केतु - केतु	
04/11/2057	
02/04/2058	
केतु	12/11/2057
शुक्र	07/12/2057
सूर्य	15/12/2057
चंद्र	27/12/2057
मंगल	05/01/2058
राहु	27/01/2058
गुरु	16/02/2058
शनि	12/03/2058
बुध	02/04/2058

केतु - शुक्र	
02/04/2058	
02/06/2059	
शुक्र	12/06/2058
सूर्य	03/07/2058
चंद्र	08/08/2058
मंगल	01/09/2058
राहु	04/11/2058
गुरु	31/12/2058
शनि	09/03/2059
बुध	08/05/2059
केतु	02/06/2059

केतु - सूर्य	
02/06/2059	
08/10/2059	
सूर्य	08/06/2059
चंद्र	19/06/2059
मंगल	26/06/2059
राहु	15/07/2059
गुरु	02/08/2059
शनि	22/08/2059
बुध	09/09/2059
केतु	16/09/2059
शुक्र	08/10/2059

केतु - चंद्र	
08/10/2059	
08/05/2060	
चंद्र	25/10/2059
मंगल	07/11/2059
राहु	09/12/2059
गुरु	06/01/2060
शनि	09/02/2060
बुध	10/03/2060
केतु	23/03/2060
शुक्र	27/04/2060
सूर्य	08/05/2060

केतु - मंगल	
08/05/2060	
04/10/2060	
मंगल	16/05/2060
राहु	08/06/2060
गुरु	28/06/2060
शनि	21/07/2060
बुध	11/08/2060
केतु	20/08/2060
शुक्र	14/09/2060
सूर्य	21/09/2060
चंद्र	04/10/2060

केतु - राहु	
04/10/2060	
22/10/2061	
राहु	30/11/2060
गुरु	21/01/2061
शनि	22/03/2061
बुध	16/05/2061
केतु	07/06/2061
शुक्र	10/08/2061
सूर्य	29/08/2061
चंद्र	30/09/2061
मंगल	22/10/2061

केतु - गुरु	
22/10/2061	
28/09/2062	
गुरु	07/12/2061
शनि	30/01/2062
बुध	19/03/2062
केतु	08/04/2062
शुक्र	04/06/2062
सूर्य	21/06/2062
चंद्र	19/07/2062
मंगल	08/08/2062
राहु	28/09/2062

केतु - शनि	
28/09/2062	
07/11/2063	
शनि	01/12/2062
बुध	28/01/2063
केतु	20/02/2063
शुक्र	29/04/2063
सूर्य	19/05/2063
चंद्र	22/06/2063
मंगल	15/07/2063
राहु	14/09/2063
गुरु	07/11/2063

केतु - बुध	
07/11/2063	
03/11/2064	
बुध	28/12/2063
केतु	19/01/2064
शुक्र	19/03/2064
सूर्य	06/04/2064
चंद्र	06/05/2064
मंगल	27/05/2064
राहु	21/07/2064
गुरु	07/09/2064
शनि	03/11/2064

शुक्र - शुक्र	
03/11/2064	
05/03/2068	
शुक्र	25/05/2065
सूर्य	25/07/2065
चंद्र	04/11/2065
मंगल	14/01/2066
राहु	15/07/2066
गुरु	25/12/2066
शनि	05/07/2067
बुध	25/12/2067
केतु	05/03/2068

शुक्र - सूर्य	
05/03/2068	
05/03/2069	
सूर्य	23/03/2068
चंद्र	22/04/2068
मंगल	14/05/2068
राहु	08/07/2068
गुरु	25/08/2068
शनि	22/10/2068
बुध	13/12/2068
केतु	03/01/2069
शुक्र	05/03/2069

शुक्र - चंद्र	
05/03/2069	
04/11/2070	
चंद्र	25/04/2069
मंगल	30/05/2069
राहु	30/08/2069
गुरु	19/11/2069
शनि	23/02/2070
बुध	20/05/2070
केतु	25/06/2070
शुक्र	04/10/2070
सूर्य	04/11/2070

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	1
भाग्यांक	4
मित्र अंक	1, 4, 8, 9
शत्रु अंक	3, 5, 6
शुभ वर्ष	19,28,37,46,55
शुभ दिन	शुक्र, शनि, बुध
शुभ ग्रह	शुक्र, शनि, बुध
मित्र राशि	मकर, मिथुन
मित्र लग्न	मेष, कन्या, वृश्चिक
अनुकूल देवता	लक्ष्मी
शुभ रत्न	नीलम
शुभ उपरत्न	जमुनिया, बिलौर
भाग्य रत्न	पन्ना
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
शुभ दिशा	पश्चिम
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह
दान अन्न	उड़द
दान द्रव्य	तेल

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

ग्रह फल

सूर्य

बारहवें भाव में सूर्य हो तो जातक वाम नेत्र तथा मस्तक रोगी ,आलसी, उदासीन, परदेशवासी, मित्र–द्वेषी एवं कृश शरीर होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गरत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य द्वादश भाव में स्थित है अतः आपके पिता का शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता भी रहेगी। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव रहेगा। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त ही रहेंगे एवं जीवन में शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको नित्य अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। दानशीलता की प्रवृति से वे युक्त रहेंगे एवं आपको भी पुण्य कार्यों को करने की नित्य प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

आप का भी उनके प्रति मन में पूर्ण आदर का भाव रहेगा एवं समयानुसार उनकी आज्ञा का आप अनुपालन करते रहेंगे। आपके आपसी संबंध अच्छे होंगे परन्तु बीच बीच में कभी सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में तनाव या कटुता आएगी लेकिन कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही ठीक हो जाएगा। साथ ही आजीवन में हमेशा उनके सहयोग एवं सहायता के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे एवं उन्हे किसी भी प्रकार के कष्ट नहीं होने देंगे तथा समयानुसार आर्थिक या अन्य प्रकार की वांछित सहयोग भी प्रदान करेंगे।

चन्द्र

दसवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक कार्यकुशल, व्यापारी, कार्यपरायण, सुखी, यशस्वी, विद्वान्, कुल–दीपक, दयालु, निर्बल बुद्धि, सन्तोषी लोकहितैषी, मानी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होता है।

तुला राशि में चन्द्रमा हो तो जातक दीर्घदेही, आस्तिक, अन्नदाता, धनवान्, जमींदार, कुशाबुद्धिवाला, चतुर, उच्चाकांक्षाओं से रहित, सन्तोषी एवं परोपकारी होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे

तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

मंगल

द्वितीय भाव में मंगल हो तो जातक कटुभाषी, नेत्रकर्ण रोगी, कटुतिक्त रसप्रिय, धर्मप्रेमी, चोर से भक्ति, कुटुम्ब क्लेश वाला, पशुपालक, निर्बुद्धि एवं निर्धन होता है।

कुम्भ राशि में मंगल हो तो जातक व्यसनी, लोभी, सटटे से धननाशक, आचारहीन, मत्सरवृत्ति एवं बुद्धिहीन होता है।

आप के जन्म काल में मंगल द्वितीय भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करते रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव विद्यमान रहेगा। धनार्जन एवं विद्यार्जन संबंधी कार्यों में वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही जीवन में अन्य महत्वपूर्ण एवं शुभ कार्यों में भी आपको उनका पूर्ण सहयोग एवं सद्भाव प्राप्त होगा।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह की भावना रहेगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा उनमें आपसी मतभेदों के कारण अनिश्चित काल के लिए कटुता या तनाव का वातावरण होगा। जीवन में आप हमेशा भाई बहिनों का सुख दुःख में ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से हमेशा उन्हें पूर्ण आर्थिक एवं अन्य रूप में सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

बुध

बारहवें भाव में बुध हो तो जातक अल्पभाषी, विद्वान्, आलसी धर्मात्मा, वकील, सुन्दर, वेदान्ती, लेखक, दानी एवं शास्त्रज्ञ होता है।

धनु राशि में बुध हो तो जातक विद्वान्, समाज में सम्मानित, गुणी, सुगठित शरीर, अविवेकी, अच्छा संगठनकर्त्ता, चतुर, ईमानदार, उदार, प्रसिद्ध, राजमान्य, लेखक, सम्पादक एवं वक्ता होता है।

गुरु

चतुर्थभाव में गुरु हो तो जातक शौकीन मिजाज, सुन्दरदेही, आरामतलब, परिश्रमी, ज्योतिषी, उच्चशिक्षा प्राप्त, कमसन्तान, सरकार द्वारा सम्मानित, माँ से स्नेह करने वाला, कार्यरत, उद्योगी, लोकमान्य, यशस्वी एवं व्यवहारज्ञ होता है।

मेष राशि में गुरु हो तो जातक ऐश्वर्यशाली, तेजस्वी, वकील, वादी, प्रसिद्ध, कीर्तिमान, विजयी, उस्वभाव, धनी, विद्वान, प्रचुर सन्तान, उदार, नम्रभाषी परन्तु अपने आपको दूसरों

से उच्च समझने वाला, सुखी विवाहित जीवन एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

शुक्र

ग्यारहवें भाव में शुक्र हो तो जातक परोपकारी, लोकप्रिय, जौहरी, विलासी, वाहनसुखी, स्थिरलक्ष्मीवान्, धनवान् गुणज्ञ, कामी एवं पुत्रवान् होता है।

वृश्चिक राशि में शुक्र हो तो जातक–नास्तिक, कुकर्मी, स्त्रीद्वेषी दरिद्री, गुह्य रोगी, ऋणी, क्रोधी, स्वतन्त्र एवं अन्यायी होता है।

शनि

चतुर्थभाव में शनि हो तो जातक अपयशी, बलहीन, धूर्त, कपटी, शीघ्रकोपी, कृशदेही, उदासीन,वातपित्तयुक्त एवं भाग्यवान् होता है।

मेष राशि में शनि हो तो जातक आत्मबलहीन, मूर्ख, आवारा, क्रूर जालफरेव करने वाला, व्यसनी, निर्धन, दुराचारी, कपटी लम्पट एवं कृतघ्न होता है।

राहु

सप्तम भाव में राहु हो तो चतुर, लोभी, दुराचारी, दुष्कर्मी वातरोगजनक, भ्रमणशील, व्यापार से हानिदायक एवं स्त्रीनाशक होता है।

कर्क राशि में राहु हो तो जातक चतुर, उदार, रोगी, अनेकों शत्रुओं वाला, धोखेबाज, धनहीन एवं पराजि होता है।

केतु

लग्न (प्रथम) में केतु हो तो जातक चंचल मूर्ख दुराचारी, भीरु तथा वृश्चिक राशि में हो तो सुखकारक, धनी एवं परिश्रमी होता है।

मकर राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमशील, पराक्रमी जन्म स्थान छोड़कर जाने वाला, प्रसिद्ध एवं तेजस्वी होता है।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	--------------------------
साढेसाती प्रथम ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	--------------------------
साढेसाती द्वितीय ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	--------------------------
साढेसाती तृतीय ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	--------------------------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	--------------------------

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	--------------------------
साढेसाती प्रथम ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
साढेसाती द्वितीय ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
साढेसाती तृतीय ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	--------------------------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	--------------------------

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	--------------------------
साढेसाती प्रथम ढैया	30/08/2068-04/11/2070	--------------------------	--------------------------
साढेसाती द्वितीय ढैया	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	--------------------------
साढेसाती तृतीय ढैया	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	--------------------------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	सन्तति सुख
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	भाग्योदय
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	अल्प बचत
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	स्वास्थ्य

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]